एक नजर में

मनरेगा का नाम बदलने के विरोध में कांग्रेस मुखर

गुना। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना मनरेगा का नाम बदलने के केंद्र सरकार के फैसले के खिलाफ कांग्रेस ने अब ग्रामीण क्षेत्रों में मोर्चा खोल दिया है। सोमवार को गुना जिला अध्यक्ष जयवर्धन सिंह के निर्देश पर गुना विधानसभा के आरोन जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत घटावदा में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें योजना का नाम बदलने के विरुद्ध आंदोलन की रणनीति बनाई गई है। बैठक को संबोधित करते हुए कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष मेहरबान सिंह धाकड़ ने केंद्र सरकार पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने ग्रामीणों को जानकारी देते हुए आरोप लगाया कि केंद्र सरकार महात्मा गांधी के नाम से जुड़ी इस ऐतिहासिक योजना को खत्म करने की साजिश रच रही है। धाकड़ ने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह की सरकार ने 2005 में गांवों के विकास और मजदूरों को रोजगार की गारंटी देने के लिए यह योजना शुरू की थी। आज सरकार पंचायतों को बजट उपलब्ध नहीं करा पा रही है और अब नाम बदलकर इस जनहितैषी योजना को पूरी तरह बंद करना चाहती है। इससे ग्रामीण विकास पूरी तरह ठप हो जाएगा। इस बैठक में न केवल केंद्र सरकार के निर्णय का विरोध किया गया।

पेंची में पुलिस पर हमला, वाहन क्षतिग्रस्त, एएसआई सहित चार घायल

अंतरजातीय विवाह को लेकर शुरू हुआ था विवाद, बालिग युवती को सुपुर्द करने दबाव बना रहा था लड़की पक्ष

नवभारत न्यूज

गुना 5 जन. का। जिले के चांचौड़ा थाना अंतर्गत ग्राम पेंची में सोमवार को भारी तनाव की स्थिति बन गई। अंतरजातीय विवाह के मामले में सुरक्षा देने गई पुलिस टीम पर लड़की पक्ष के लगभग 50 से ज्यादा लोगों ने लाठी-डंडों और पत्थरों से हमला कर दिया। इस हमले में एएसएफ के एक एएसआई और एक प्रधान आरक्षक बुरी तरह घायल हो गए हैं, जिन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दो आरक्षक भी मामूली रूप से चोटिल बताए जा रहे हैं।

पूरा मामला पेंची निवासी एक युवक और युवती के अंतरजातीय विवाह से जुड़ा है। पुलिस ने हाल ही में लड़की को बरामद कर सुरक्षा के लिहाज से 'वन स्टॉप सेंटर' भेज दिया था। सोमवार को लड़की पक्ष के लोगों ने थाने पहुंचकर धमकी दी थी कि यदि लड़की उन्हें नहीं सौंपी गई, तो वे लड़के वालों के घरों में आग लगा देंगे। लड़की पक्ष की धमकी के बाद पुलिस ने एहतियातन कुछ जवानों को लड़के के घर की सुरक्षा और निगरानी के लिए भेजा था। इस दौरान कई लोगों ने पेंची स्थित नेशनल हाइवे पर जाम लगाने का भी प्रयास किया, जिन्हें समझाने का प्रयास किया। तभी आरोपियों ने पहले एक आरक्षक नरेंद्र ओझा को बंधक बना लिया। जब उसे छुड़ाने के लिए पुलिस बल पहुंचा, तो उपद्रवियों ने हमला

बोल दिया। हमलावरों ने पुलिस पर ताबड़तोड़ पथराव शुरू कर दिया। हालात इतने बिगड़ गए कि जान बचाने के लिए पुलिसकर्मियों को नेशनल हाइवे 46 की तरफ भागना पड़ा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कुछ पुलिसकर्मियों की आंखों में मिर्ची भी झोंकी गई है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है। इस खूनी संघर्ष में एएसएफ के एएसआई नवाब सिंह और प्रधान आरक्षक मंगल सिंह गंभीर रूप से जख्मी हुए हैं। दोनों को तत्काल

गुना जिला अस्पताल भेजा गया, जहाँ उनका इलाज जारी है। घटना के बाद से गांव में दहशत का माहौल है। हमलावरों की संख्या 50 से अधिक बताई जा रही है। पुलिस ने हमलावरों की पहचान शुरू कर दी है, हालांकि फिलहाल किसी भी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। पुलिस प्रशासन का कहना है कि कानून हाथ में लेने वालों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पेंची में भारी पुलिस फोर्स तैनात

इस सनसनीखेज घटनाक्रम के बाद एसपी अंकित सोनी ने एहतियात के तौर पर पेंची में पुलिस फोर्स तैनात कर दिया है। एसडीओपी मनोज झा पूरे मामले की निगरानी जमीनी स्तर पर कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि करीब एक दर्जन लोगों पर नामजद और कई अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। सभी की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

हमले का वीडियो वायरल

पुलिस टीम पर हुए हमले का वीडियो वायरल हो रहा है। दरअसल, पेंची गांव नेशनल हाइवे क्रमांक 46 पर स्थित है। जिस समय हमलावर इस सनसनीखेज वारदात को अंजाम दे रहे थे, तब कई राहगीरों ने वीडियो बनाया और सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया। वीडियो साफ नजर आ रहा है कि हमलावर हाइवे की रैलिंग की एक तरफ से पथराव कर रहे हैं और दूसरी तरफ से पुलिसकर्मी अपनी जान बचाने हुए भाग रहे हैं। हमले के दौरान पुलिस का शासकीय वाहन भी क्षतिग्रस्त हुआ है।

...जैसा एसपी अंकित सोनी ने बताया अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा

कुछ दिन पहले लोधा समाज की बालिग युवती की गुमशुदगी चांचौड़ा थाने को प्राप्त हुई थी। पुलिस ने रविवार शाम युवती को दस्तयाब कर लिया था। तब लड़की के परिवारजनों से थाने में लड़की को सुपुर्द करने की बात कही थी। लेकिन लड़की के बालिग होने और उसके बयानों को देखते हुए तत्काल वन स्टॉप सेंटर भेज दिया था और उसके परिवारजनों को कानूनी कार्रवाई की जानकारी दी थी।

इसी सिलसिले में सोमवार को फिर कुछ ग्रामीण थाने में आए और युवती को सुपुर्द करने की मांग करने लगे। जिन्हें एक बार फिर कानूनी प्रक्रिया के बारे में समझाइश दी गई। ग्रामीण थाने से तो चले गए, लेकिन नेशनल हाइवे पर पहुंचकर पेंची के पास जाम लगाने की योजना बनाने लगे। इसी दौरान पुलिसकर्मियों ने उन्हें समझाने का प्रयास किया तो पथराव कर दिया। इस घटना में एक एएसआई, एक प्रधान आरक्षक गंभीर रूप से घायल हुए हैं। दो आरक्षकों को मामूली चोटें आई हैं। उग्र भीड़ ने पथराव के साथ लाठी-डंडों का भी इस्तेमाल किया है।

आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास, बलवा, शासकीय कार्य बाधा जैसी धाराओं में केस दर्ज किया जा रहा है। गिरफ्तारी के प्रयास शुरु कर दिए गए हैं। एक आरक्षक को बंधक बनाने की जानकारी सामने आई है, जिसकी जांच की जा रही है। घटना बेहद गंभीर है, घटना में लिप्त किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा।

अलाव ताप रही बड़ी बहन के हाथ से छूटकर आग में गिरी 5 महीने की मासूम, मौत

नवभारत न्यूज

गुना। अलाव तापने के दौरान बड़ी बहन के हाथ से छूटकर आग में गिरी 5 महीने की मासूम ने गुना जिला अस्पताल में दम तोड़ दिया है। परिजनों का आरोप है कि मासूम बच्ची का इलाज कराने के लिए उन्हें गुना जिला अस्पताल में स्टाफ द्वारा लगभग एक घंटे तक परेशान किया गया।

यह हृदय विदारक हादसा गुना के पड़ोसी जिला विदिशा की लटेरी तहसील अंतर्गत ग्राम निशोबर्री का है। पेशे से मजदूर दौलतराम अहिरवार की बड़ी बेटी रविवार रात लगभग 10 बजे अपनी 5 महीने की सबसे छोटी बहन आराध्या के साथ अलाव ताप रही थी। इसी दौरान आराध्या बड़ी बहन के हाथ से छूटकर आग में गिर गई। दौलतराम की शेष 3 बेटियों ने शोर मचाना शुरु किया, तब परिजन मौके पर पहुंचे और आराध्या को आनन-फानन में लटेरी अस्पताल लाया गया। लेकिन आराध्या की गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने नजदीकी गुना जिला अस्पताल ले जाने की सलाह दी। जानकारी सामने आई है कि दौलतराम 4 बेटियों के पिता हैं, आराध्या इनमें से सबसे छोटी और परिवार की लाड़ली है। उसकी मौत ने पूरे परिवार को गमजदा कर दिया है।

एक घंटे तक भटकते रहे परिजन

दौलतराम के मुताबिक वह सोमवार सुबह 6 बजे गुना जिला अस्पताल पहुंच गए थे। लेकिन यहां आराध्या को भर्ती कराने के लिए पूरी प्रक्रिया करीब एक घंट तक चली।

उन्हें एक काउंटर से दूसरे काउंटर तक जाने के लिए कहा गया। सुबह-सुबह का समय होने की वजह से कर्मचारियों का सहयोग नहीं मिला। अंततः 7 बजे आराध्या को बर्न वार्ड में भर्ती किया, जहां लगभग 30 मिनट बाद 7.30 बजे उसकी मौत हो गई।

लक्ष्मी नगर में चार दिन से अंधेरा, डीपी नहीं बदल रही कंपनी, आंदोलन की चेतावनी

गुना। शहर के लक्ष्मी नगर इलाके में पिछले चार दिनों से बिजली गुल होने के कारण नागरिकों का धैर्य जवाब दे गया है। सोमवार को बड़ी संख्या में रहवासियों ने विद्युत उपभोक्ता संगठन के बैनर तले बिजली कंपनी के महाप्रबंधक के नाम ज्ञापन सौंपा और विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर आरोप लगाए। रहवासियों की अधिकारियों से काफी देर तक बहस भी हुई। लक्ष्मी नगर के निवासियों ने बताया कि डीपी में खराबी के कारण पिछले चार दिनों से पूरी कॉलोनी अंधेरे में डूबी है। जब रहवासी समाधान की मांग लेकर महाप्रबंधक कार्यालय पहुंचे, तो अधिकारियों ने यह कहकर पल्ला झाड़ लिया कि कॉलोनी के कुछ लोगों के बिल बकाया हैं। विभाग का तर्क है कि जब तक कुल बकाया राशि का 10 प्रतिशत जमा नहीं होता, तब तक बिजली चालू नहीं की जाएगी। इस पर उपभोक्ताओं ने तर्क दिया कि जिन लोगों के बिल जमा हैं, उन्हें बेवजह क्यों परेशान किया जा रहा है? इसका जवाब अधिकारियों के पास भी नहीं मिला। स्थानीय रहवासियों के साथ पहुंचे विद्युत उपभोक्ता संगठन के विकास बंसल ने विभाग की मनमानी उजागर करते हुए कहा कि लक्ष्मी नगर में बिना अनुमति के स्मार्ट मीटर लगा दिए गए थे। इसके बाद से ही बिलों में भारी विसंगतियां आ रही हैं। जिन उपभोक्ताओं के बिल पहले 500 से एक हजार रुपए आते थे, वे अब बढ़कर 5 हजार से 35 हजार रुपए तक पहुंच रहे हैं। स्थानीय निवासी वीरेंद्र ने आरोप लगाया कि जिन लोगों ने नियमित बिल जमा किए हैं, विभाग उन्हें भी लाइट काटकर 'ब्लैकमेल' कर रहा है। विद्युत उपभोक्ता संगठन के मनीष श्रीवास्तव ने बिजली कंपनी को दो टूक चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि गलत बिलिंग और स्मार्ट मीटर की खराबी के कारण लोग परेशान हैं। यदि एक-दो दिन के भीतर लक्ष्मी नगर की बिजली बहाल नहीं की गई, तो सैकड़ों रहवासी बिजली दफ्तर का घेराव कर जन आंदोलन करेंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी विद्युत वितरण कंपनी की होगी। ज्ञापन के जरिए खराब डीपी को तुरंत बदलने, बढ़े हुए बिलों को सुधारने और नियमित बिल भरने वाले उपभोक्ताओं को सेवाएं मांग की गई है।

हनुमान चौराहे की होटल में चोरी करने वाला 24 घंटे में गिरफ्तार

गुना। हनुमान चौराहे पर हुई चोरी की सनसनीखेज वारदात का कैंट पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने विवेक रेस्टोरेंट से चोरी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर शत-प्रतिशत सामान बरामद करने की जानकारी दी है।

पुलिस के मुताबिक फरियादी विशाल राठौर निवासी सांई विहार कॉलोनी ने 4 जनवरी, रविवार को केंट थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि हनुमान चौराहे पर स्थित उनकी नाश्ते की होटल से 3-4 जनवरी की दरम्यानी रात अज्ञात चोर ने शटर के ताले तोड़ दिए। चोर होटल के अंदर से मसाला ग्राइंडर मशीन, गैस सिलेंडर और बर्तन चोरी कर ले गया था। एसपी अंकित सोनी ने शहर के प्रमुख क्षेत्र में हुई इस वारदात को गंभीरता से लेकर कैंट पुलिस को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए थे। कैंट पुलिस ने मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए एक आरोपी गोलू उर्फ धापू कोरी निवासी गुलाबगंज को हिदासत में लेकर पूछताछ की। कैंट पुलिस के मुताबिक उन्होंने आरोपी के कब्जे से चोरी किया गया सारा सामान बरामद कर लिया है। साथ ही वारदात में इस्तेमाल किए गए एक साइकिल और सरिया भी जब्त किया गया है। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी ने उसी रात पास की दो अन्य दुकानों में भी चोरी का प्रयास किया था, लेकिन वहां वह सफल नहीं हो पाया।

हनुमान चौराहे से निचला बाजार तक अतिक्रमणकारियों पर कार्रवाई

नवभारत न्यूज

गुना। शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने और सड़कों को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए सोमवार देर शाम नगर पालिका और पुलिस प्रशासन ने संयुक्त रूप से बड़ी कार्रवाई की। नगर पालिका सीएमओ मंजूषा खत्री के नेतृत्व में चली इस कार्रवाई से दुकानदारों और हाथ-ठेला चालकों में हड़कंप मच गया है।

कार्रवाई हनुमान चौराहा स्थित हाट रोड से शुरू होकर निचला बाजार तक चली। इस दौरान सीएमओ मंजूषा खत्री ने फुटपाथ पर स्थाई और अस्थाई रूप से अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों को जमकर फटकार लगाई। नगर पालिका की टीम ने कार्रवाई करते हुए 10 दुकानदारों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की। फुटपाथ पर अवैध रूप से रखा सामान जब्त किया गया और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर भारी जुमार्ना भी लगाया है। इस संयुक्त मुहिम में कोतवाली पुलिस और यातायात पुलिस की टीम भी शामिल रही। निचला बाजार पुलिया के पास यातायात बाधित कर रही बीच सड़क खड़ी एक चार पहिया कार पर ट्रैफिक पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 500 रुपए का चालान काटा। पुलिस ने स्पष्ट किया कि सड़कों पर बेतरतीब वाहन खड़े करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। जैसे ही नगर पालिका का अतिक्रमण विरोधी दस्ता और पुलिस बल बाजार में दाखिल हुआ, हाथ-ठेला चालकों में अफरा-तफरी मच गई। कार्रवाई से बचने के लिए कई ठेला चालक अपनी गाड़ियाँ लेकर तंग गलियों में भागते नजर आए। नगर पालिका प्रशासन के अनुसार, शहर के मुख्य मार्गों पर फुटपाथ कब्जाने के कारण आम जनता को पैदल चलने में भारी परेशानी हो रही है। यातायात को सुचारू बनाए रखने के लिए इस तरह की औचक कार्रवाई आने वाले दिनों में भी निरंतर जारी रहेगी।

अब 10 बजे खुलेंगे जिले के आंगनवाड़ी केंद्र

गुना। जिले में लगातार बढ़ रही कड़ाके की ठंड और शीतलहर को देखते हुए प्रशासन ने बच्चों की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया है। संशोधित आदेश के अनुसार, बच्चों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए आंगनवाड़ी केंद्रों के खुलने का समय अब सुबह 10 बजे तय किया गया है। इससे पहले ये केंद्र सुबह 9 बजे से संचालित होते थे। बच्चे सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक केंद्र पर उपस्थित रहेंगे। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाएं शाम 5 बजे तक केंद्र पर मौजूद रहेंगी। वहीं उनके द्वारा गृह भेंट जैसे आवश्यक कार्यों को पूरा करेंगी।

चेतावनी — पेंशन प्रकरणों में लापरवाही पर दी कार्रवाई की चेतावनी

सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों पर कलेक्टर सख्त

नवभारत न्यूज

गुना। जिला कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में समय-सीमा बैठक संपन्न हुई। बैठक में कलेक्टर ने विभागीय कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जनहित के मामलों में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस दौरान अपर कलेक्टर अखिलेश जैन और जिला पंचायत सीईओ अभिषेक दुबे सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी मौजूद रहे।

कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन की 100 दिनों से अधिक पुरानी शिकायतों को लेकर नाराजगी जताई। उन्होंने निर्देश दिए कि शिकायतों का निराकरण केवल कागजों पर नहीं, बल्कि गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टि के साथ होना चाहिए। साथ ही: सेवानिवृत्त कर्मचारियों और पात्र हितग्राहियों के पेंशन प्रकरणों में देरी करने वाले विभागों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। वन भूमि से संबंधित लंबित मामलों के लिए अलग से बैठक कर समाधान निकालने को कहा। कलेक्टर ने जनस्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए पीएचई और नगर पालिका को निर्देश दिए कि जिले की सभी पानी की टंकियों की सफाई के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। नगर पालिका को निर्देश दिए गए कि प्रत्येक दुकान के सामने कचरा डिब्बा होना अनिवार्य करें, नियम तोड़ने वालों पर तत्काल जुमार्ना लगाएं। स्वास्थ्य विभाग को अस्पतालों में स्वच्छता के उच्च मानक बनाए रखने के निर्देश दिए गए। स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित किया गया कि अभियान चलाकर प्रत्येक गर्भवती महिला को समग्र आईडी से जोड़ते हुए अनमोल पोर्टल पर पंजीयन सुनिश्चित करें। वहीं, जनजातीय क्षेत्रों के विकास के लिए संचालित 'पीएम जनमन योजना' और 'धरती आबा अभियान' की समीक्षा करते हुए सभी एसडीएम को फील्ड में जाकर कार्यों की प्रगति देखने के निर्देश दिए।

आयुष्मान कार्ड और पीएम विश्वकर्मा योजना

कलेक्टर ने 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड बनाने की गति बढ़ाने और पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत पात्र लोगों को लाभान्वित करने पर जोर दिया।

हॉर्टिकल्चर विभाग की थपथपाई पीठ

बैठक के अंत में कलेक्टर ने हॉर्टिकल्चर (उद्यानिकी) विभाग द्वारा पॉलीहाउस के क्षेत्र में किए गए नवाचारों और बेहतर प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने अन्य विभागों को भी इसी तरह नवाचार के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

शहर में चरमराई सफाई व्यवस्था, 37 वार्डों में नहीं पहुंची कचरा गाड़ियां, 10 महीने के एरियर को लेकर चालकों की हड़ताल

गुना। नगर पालिका के सभी 37 वार्डों में सोमवार को सफाई व्यवस्था पूरी तरह ठप रही। वेतन वृद्धि की एरियर राशि न मिलने से नाराज कचरा गाड़ी के 42 वाहन चालकों ने काम बंद कर दिया है। सोमवार को शहर के किसी भी मोहल्ले में कचरा गाड़ी नहीं पहुंची, जिससे कचरे का निस्तारण नहीं हो सका। एरियर भुगतान की मांग को लेकर वाहन चालक नगर पालिका स्थित फायर रूम में गाड़ियां खड़ी कर धरने पर बैठ गए हैं। हड़ताल का मुख्य कारण साल 2024 में बढ़ाए गए वेतन का 10 महीने का एरियर है। वाहन चालकों का दावा है कि प्रत्येक चालक को 21 हजार 590 रुपए की एरियर राशि मिलनी है। इस भुगतान की फाइल पर प्रभारी सीएमओ मंजूषा खत्री ने हस्ताक्षर कर दिए हैं, लेकिन नगर पालिका अध्यक्ष के हस्ताक्षर न होने के कारण राशि का भुगतान अटका हुआ है। वाहन चालकों का आरोप है कि नगर पालिका अध्यक्ष उन्हें

'आउटसोर्स कर्मचारी' बताकर एरियर देने से इनकार कर रही हैं। चालकों ने श्रम विभाग की गाइडलाइन की प्रति भी प्रशासन को सौंपी है, जिसमें स्पष्ट है कि आउटसोर्स कर्मचारियों को एरियर देना अनिवार्य है। विरोध करने वाले चालकों का दावा है कि प्रदेश के लगभग सभी जिलों में एरियर का भुगतान हो चुका है, लेकिन गुना में 11 बार ज्ञापन देने के बावजूद कोई सुनवाई नहीं हुई। वाहन चालकों में इस बात को लेकर भी भारी आक्रोश है कि हड़ताल के बावजूद किसी भी जिम्मेदार अधिकारी या अध्यक्ष ने उनसे संवाद करना उचित नहीं समझा। आक्रोशित चालकों ने दो टूक कहा है कि हम रोजाना गाड़ियां स्टैंड पर खड़ी कर विरोध जताएंगे। अब हम नगर पालिका कार्यालय नहीं जाएंगे, अगर समाधान चाहिए तो अध्यक्ष या अधिकारियों को खुद आकर हमसे बात करनी होगी और भुगतान की समय-सीमा तय करनी होगी। बता दें कि गुना के 37 वार्डों में कचरा प्रबंधन के लिए तैनात 42 चालकों की इस हड़ताल से आने वाले दिनों में स्थिति बिगड़ सकती है। यदि मंगलवार तक कोई हल नहीं निकला, तो शहर में कचरे की समस्या विकराल रूप ले सकती है।